Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Series RLH/1

Set 1

कोड नं.
Code No. **4/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10:15 बजे किया जाएगा। 10:15 बजे से 10:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा-II
SUMMATIVE ASSESSMENT-II
हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 90*
Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 90*

निर्देश: *(i) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।*

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

[P.T.O.

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×6=12

चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा और लोक-रंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहराया गया है। धर्म-शासन, राज-शासन, मत-शासन – सबमें इनसे पूरा काम लिया गया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक-कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं उसी प्रकार संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी। सब प्रकार के शासन में – चाहे धर्म-शासन हो, चाहे राज-शासन, मनुष्य-जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया है। दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज-शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म-शासन और मत-शासन चलते आ रहे हैं। इसके द्वारा भय और लोभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी प्राय: हुआ है और होता रहता है। जिस प्रकार शासक-वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थसिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं उसी प्रकार धर्म-प्रवर्तक और आचार्य अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी। शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शान्ति के लिए भी डराते और ललचाते आए हैं। मत-प्रवर्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी कँपाते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति-पूजा करते देख दूसरी जाति के मत-प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक संप्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे संप्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

(क) लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा किस पर आधारित है ? तथा इसका उपयोग कहाँ किया गया है ?

(ख) दंड का भय और अनुग्रह का लोभ किसने और क्यों दिखाया है ?

(ग) धर्म-प्रवर्तकों ने स्वर्ग-नरक का भय और लोभ क्यों दिखाया है ?

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(घ) शासन व्यवस्था किन कारणों से भय और लालच का सहारा लेती है ?

(ङ) संप्रदायों-जातियों की भिन्नता किन रूपों में दिखाई देती है ?

(च) प्रतिष्ठा और लोभ शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×4=8

हे ग्राम-देवता नमस्कार ।
जन कोलाहल से दूर
कहीं एकाकी सिमटा-सा निवास,
रवि-शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश,
श्रम-वैभव के बल पर करते हो
जड़ में चेतनता का विकास
दानों-दानों से फूट रहे, सौ-सौ दानों के हरे हास
यह है न पसीने की धारा
यह गंगा की है धवल धार – हे ग्राम-देवता नमस्कार।
तुम जन-मन के अधिनायक हो
तुम हँसो कि फूले-फले देश,
आओ सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है अशेष,
उर्वरा भूमि के नए खेत के
नए धान्य से सजे देश,
तुम भू पर रहकर भूमि भार
धारण करण करते हो मनुज शेष,
महिमा का कोई नहीं पार
हे ग्राम-देवता नमस्कार ।।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(क) ग्राम-देवता को किसका अधिक प्रकाश मिलता है और क्यों ?

(ख) 'तुम हँसो' का क्या तात्पर्य है? गाँवों के हँसने का क्या परिणाम हो सकता है?

(ग) जड़ में चेतनता का विकास कौन करता है और कैसे ?

(घ) जन-मन का अधिनायक किसे कहा गया है ? उसके प्रसन्न होने का क्या परिणाम होगा ?

खंड 'ख'

3. शब्द किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर शब्द और पद में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – 1×3=3

(क) मैं ठीक समय पर पहुँच गया परंतु सुरेश नहीं आया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

(ख) गरजते बादलों में बिजली कौंध रही है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) जो परिश्रम करता है उसकी पराजय नहीं होती। (सरल वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए – 1+1=2

माता-पिता, महापुरुष।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए- 1+1=2

बाढ़ से पीड़ित, नीला है जो गगन

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए – 1×4=4

(क) गाय को मिलाकर सानी खिलाओ।

(ख) हमारे माताजी का आज व्रत है।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(ग) कृपया स्वीकृति देने की कृपा करें।

(घ) लड़का लोग घर चला गया।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए - 1+1=2

आँखों में धूल झोंकना, हक्का-बक्का रह जाना।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2+2+1=5

(क) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में समुद्र के गुस्से का क्या कारण था ? उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया ?

(ख) 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि सआदत अली कौन था ? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा ?

(ग) 'गिरगिट' पाठ के आधार पर लिखिए कि इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव ख्यूक्रिन पर क्यों झुँझला रहा था ?

9. "हमें सत्य में जीना चाहिए, सत्य केवल वर्तमान है।" 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' के इस कथन को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 5

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2+2+1=5

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं, पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं ? खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें यही महत्व की बात है।

(क) व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग क्यों रहते हैं ?

(ख) महत्व की बात क्या है ? और क्यों ?

(ग) व्यवहारवादी और आदर्शवादी लोगों में क्या अन्तर है ?

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2+2+1=5

(क) मैथिलीशरण गुप्त ने गर्वरहित जीवन बिताने के लिए क्या तर्क दिए हैं ?

(ख) बिहारी ने माला जपने और तिलक लगाने को व्यर्थ कहकर क्या संदेश देना चाहा है ?

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है ?

12. 'आत्मत्राण' कविता के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ? उसका संदेश स्पष्ट कीजिए। 5

13. 'सपनों के से दिन' पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी की, बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति, क्या धारणा थी ? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में उसके औचित्य पर अपने विचार लिखिए। 5

खंड 'घ'

14. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध

- प्राचीन भारत में गुरु-शिष्य संबंध
- वर्तमान युग में आया अन्तर
- हमारा कर्त्तव्य

(ख) मित्रता

- आवश्यकता
- मित्र किसे बनाएँ
- लाभ

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(ग) युवाओं के लिए मतदान का अधिकार

- मतदान का अधिकार क्या और क्यों ?
- जागरूकता आवश्यक
- सुझाव

15. दूरदर्शन निदेशालय को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाय। 5

16. विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना लगभग 30 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

17. खाद्य-पदार्थों में मिलावट के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में मित्र से हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 5

18. 'क-ख-ग' कम्पनी द्वारा निर्मित जल की विशेषताएँ बताते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए। 5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com